चुन्नी लाल सचदेवा

डी. ए. वी सैंट पब्लिक स्कूल जैतो।

कक्षा– छठी **कार्यपत्रक** **विषय हिन्दी**

क– नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्याय को सबसे बड़ा अधर्म और समाज में वैर–विरोध, असमानता एवं शोषण बढ़ाने वाला माना जाता है। अन्याय का अन्त न्याय और प्रेम से ही हो सकता है। अन्याय की प्रतिक्रिया यदि अन्यायपूर्वक की जाए, तो अन्याय का ही आदान–प्रदान होता है। अन्याय करने वाला कितना ही बलवान हो, हमें उससे भयभीत नहीं होना चाहिए, चाहे प्राण त्यागने पढ़ें।

प्रश्न 1. गद्यांश का उचित शीर्षक क्या है?

प्रश्न 2. अन्याय का अन्त कैसे हो सकता है?

प्रश्न 3. अन्याय का आदान–प्रदान कब होता है?

प्रश्न 4. गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखो।

प्रश्न– 5.अन्त शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

ख– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ध्यानपूर्वक दीजिए–

प्रश्न–6. दस आमों की कीमत में कौन–सी छुट्टियों की बात की गई है?

प्रश्न–7. मुँह में पानी आना मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाकर लिखिए।

प्रश्न–8. लाचार और घृणा शब्द का शब्दार्थ लिखिए।

प्रश्न–9. स्वामीनाथन ने सवाल हल करने के बाद एक आम की कीमत कितनी निकाली?

प्रश्न–10. पिताजी ने स्वामीनाथन को क्या करने का आदेश दिया?

प्रश्न–11. नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

छात्र, बेटी

प्रश्न–12. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

भाषा, सब्ज़ी

प्रश्न–13. दस आमों की कीमत में से कोई चार नुक्ता वाले शब्द लिखिए।

प्रश्न–14. महात्मा के चेहरे पर ––––– था।

प्रश्न–15. स्नेहा तो चित्रकारी के ––––––– में माहिर है।

प्रश्न–16. क्लब जाते हुए स्वामीनाथन को कैसा लग रहा होगा?

प्रश्न–17.'दस आमों की कीमत' पाठ की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न–18.आप किस विषय का गृहकार्य सबसे पहले करते हैं?और क्यों?

प्रश्न–19.कल्पना कीजिए कि अगर स्वामीनाथन की जगह आप होते तो आप क्या करते?

प्रश्न–20.महात्मा के चेहरे पर ––––––– था।

प्रश्न–21.स्वामीनाथन ने सवाल हल करने के बाद एक आम की कीमत कितनी निकाली?

प्रश्न–22.लाचार और कुंजी शब्दों का शब्दार्थ लिखिए।

प्रश्न–23.पाठ में आए कोई चार नुक्ता वाले शब्द लिखिए।

प्रश्न–24.वचन बदलिए– भाषा, सब्ज़ी, दीवारें

प्रश्न–25. मुँह में पानी आना मुहावरे का वाक्य लिखिए।

प्रश्न–26.वाक्य लिखिए– इंतज़ाम, ज़रूरी

प्रश्न–27. विलोम शब्द लिखिए– जय, अंदर, उन्नति

प्रश्न–28. लिंग बदलकर लिखिए– छात्र, चूहा, बेटा

प्रश्न–29.शुद्ध करके लिखिए– उतसुकता, कयोंकि, बतायंगे

प्रश्न–30.खून पसीना एक करना मुहावरे का वाक्य लिखिए–

आरेख चित्र– अंतर–समानता

पोंगल त्योहार का एक खास महत्त्व हैं। ये प्रसिद्ध दक्षिण भारत में हर साल मनाया जाता है।उत्साह से भरा ये त्योहार 14 जनवरा यानि कि मकर सक्रांति से शुरू होता है, जो 4 दिन तक चलता है और फिर 17 जनवरी को इस पर्व का समापन होता है। मान्यता के अनुसार मकर सक्रांति और लोहड़ी पर्व की तरह ही पोंगल पर्व को भी फसल के पक जाने और नई फसल के आने की खुशी में मनाया जाता है।मकर सक्रांति का त्योहार उत्तर भारत में विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में माघी नाम से मनाया जाता है।जिसे पंजाब में इसे लोहड़ी के नाम भी जाना जाता है।मकर सक्रांति के दिन सूर्य और विष्णु की पूजा की जाती है जबकि पोंगल के दिन सूर्य, इंद्र और गाय की पूजा की जाती है।पोंगल के दिन लोग शर्करइ पोंगल बनाते हैं और मकर सक्रांति पर लोग मक्की की रोटी और सरसों का साग बनाते हैं।